Name : Kajal Mahesh Yadav

Class / Div : A 11 Roll No.: 97

Prakash College

Article Title : Maharashtra Day

महाराष्ट्र दिवस एक मई को मनाया जाता है, यह दिन महाराष्ट्र के लिए बेहद खास होता है, एक मई को समूचे देश में मजदूर दिवस माना जाता है, दरअसल एक मई को देश में महाराष्ट्र राज्य स्थापित किया गया था, महाराष्ट्र राज्य में हर साल इस दिन को राज्य के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

महाराष्ट्र में रहने वाले सभी लोगों के लिए इस दिन की खास एहमियत है, इस मौके पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है, इस दिवस पर सांस्कृतिक, रंगीन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है।

ऐसे कार्यक्रमों में मराठी सभ्यता की झलक नजर आती है, जब भारत सन 1947 में एक स्वतंत्र देश बन गया, तो पश्चिमी भारत में बॉम्बे एक अलग राज्य था, जो मौजूदा महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में था। 1950 के दशक में संयुक्त महाराष्ट्र समिति ने बंबई के तत्कालीन द्विभाषी राज्य से अलग एक मराठी भाषी राज्य के निर्माण करने की मांग की थी।

सन 1950 में आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक का गठन हुआ, लेकिन केंद्र सरकार महाराष्ट्र राज्य के निर्माण की मांग पर ध्यान नहीं दे रही थी, केंद्र में तत्कालीन सरकार के अड़ियल रवैये से परेशान होकर लोगों ने इसके खिलाफ लड़ने का फैसला किया था, सरकार ने बल और शक्ति का प्रयोग मांग करके इसे दबाने की कोशिश की थी।

Prakash College

Name : कोमल पारसनाथ गुप्ता

Class / Div : १२वीं ब Roll No.: ६२

Article Title : मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हे "माँ" तेरी उपकार को इस जन्म और आने वाले कई जन्मों तक नहीं भुल पाउँगी आप भगवान से भी श्रेष्ठ हो जन्म के बाद ही गुरु और भगवान को मैंने जाना माँ आपने कितनी कठिनाईयों के साथ हम दो बहनों को जन्म दिया पाला, पोसा और बड़ा किया आप से ही मुझे मिला सबकुछ आपसे ही मुझे संस्कार मिला आप से ही जीने की शक्ति मिली और मेरे सुख - दुख मे हमेशा आपने परोक्ष और अपरोक्ष उपस्थित होकर हमेशा हिम्मत बढ़ाई और एक बालक को योग्य व्यक्तित्व मे ढाला, माँ मै आज जो कुछ भी हुँ सब तेरी कृपा है मै तुझे प्रति पल याद करती हुँ तु मेरी साँसों मे है। मै अंतः करण से सादर नमन करती हुँ और अपनी माँ की आँखों में जब भी देखती हुँ मुझे मेरा प्रतिबिंब दिखाई देता है।

"माँ" तु मेरी सबकुछ है
तेरे बिना मै अधुरी हुँ पुरी तरह से

Name : Disha Amar Pandey

Class / Div : 12th 'X' B Roll No.: 40

Article Title : मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हे मां मैं तेरी उपकार को इस जन्म और आने वाले कई जन्मों नहीं भूल तक नहीं भूल पाऊंगा आप भगवान से भी श्रेष्ठ हो जन्म के बाद ही गुरु और भगवान को मैंने जाना मां आपने कितनी कठिनाइयों के साथ हम दो भाइयों तीन बहनों को पाला पोसा और बड़ा किया आप से ही मुझे संस्कार मिला आप से ही जीने की शक्ति मिली और मेरे सुख - दुख में हमेशा आपने परोक्ष और अपरोक्ष मिली और मेरे उपस्थित होकर हमेशा हिम्मत बढ़ाई और एक बालक को योग्य व्यक्तित्व में ढाला मां मैं आज कुछ भी हूं सब तेरी कृपा है मैं तुझे प्रति पल याद करता हुं तू मेरी सांसो में है मैं अंतः करण से सादर नमन करता हूं और अपनी मां की आंखों मे जब देखता हुं मुझे मेरा प्रतिबिंब दिखाई देता है सभी लोगों को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मां तुझे अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि
हो सके तो लौट के आओ मां
अपनी इस बालक को दुलारो

वी एक पाठक

Name : Disha Amar Pandey.

Class / Div : 12th / B   Roll No.: 40

Article Title : शिव

* शिव *

मेरी हर नस - नस में बहता इश्क़ है वो,
जिससे बेपन्हा मोहब्बत है वो शिव है वो !
हर दिल की कहि - अनकही बातें जानता है वो,
हर एक दर्द के पीछे छुपी हुई जिव्हा सुनता है वो !
मेरी हर नस - नस में बहता इश्क़ है वो,
जिससे बेपन्हा मोहब्बत है वो शिव है वो !
तु ही तो है मेरा जो जानता है हर दिल की बात
तुझसे ना करु ? तो किससे करूंगी मैं बात ?
ना कोई समझता है ना कोई समझेगा,
मेरा दर्द बस मेरे पास ही महफूस रहेगा !
ना मुझमे रही ताकत किसको समझाने कि,
मुझे नहीं बया करना है कुछ वो जीज है बेवकूफी दोहराने की !
मेरी हर नस - नस में बहता इश्क़ है वो,
जिससे बेपन्हा मोहब्बत है वो शिव है वो !
कठीनाईयो को पार करना तो हिम्मत की बात है !
जो तु मेरे साथ है तो मुझे किस बात का खौफ है ?
जो तु मेरे साथ है वही श्री मेरा संसार है,
तू रहे, तो मैं रहु, तु नहीं तो मै नहीं;
तुझबीन मैं एक जिंदा लाश हूँ,
या फिर गंगा मैं बेहती से एक राख हूँ !
मेरी हर नस - नस मैं बहता इश्क है वो,
जिससे बेपन्हा मोहब्बत है वो शिव है वो !

Prakash College

Name: Dhruv Amit Parmar

Class / Div: B 12th **Roll No.:** 38

Article Title: ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર

ડૉ. ભીમરાવ આંબેડકરનો જન્મ 14 એપ્રિલ, 1891 ના રોજ થયો હતો. તેમના પિતાનું નામ રામજી સકપાલ અને માતાનું નામ ભીમાબાઈ હતું. રામજી સકપાલ લશ્કરી શાળામાં શિક્ષક હતા ભીમરાવ 14 ભાઈ-બહેન હતાં. તેમાંથી તે સૌથી નાના હતા ભીમરાવ જ્યારે 6 વર્ષના થયાં ત્યારે તેના માતા ભીમાબાઈ મૃત્યુ પામ્યા. રામજી સકપાલે નિર્ણય કર્યો કે હું મારા નાનકડાં ભીમને ખૂબ ભણાવીશ ભીમરાવ ખૂબ દેખાવડો અને ભણવામાં ખૂબ જ તેજસ્વી હતા. પણ તે સમયે દલિત જાતિ ખૂબ જ નીચી ગણાતી. તેથી શિક્ષક તેને ક્લાસમાંથી બહાર બેસાડતા આથી નાનકડા ભીમરાવને ખૂબ જ લાગી આવતું. તેને થયું કે આ દેશમાં તો હજારો દલિતોની પણ આ જ સ્થિતિ હશે ને? તેને મનોમન નક્કી કર્યું કે તે મોટા થઈને આ ભેદભાવ મિટાવીને જ રહેશે, આંબેડકર મોટા થયાં એટલે વડોદરાના મહારાજા સયાજીરાવ ગાયકવાડે તેને ભણવા માટે શિષ્યવૃત્તિની સહાય કરી. આંબેડકર લંડનમાં જઈને ભણ્યા. આ દરમ્યાન તેમણે ખૂબ જ સહન કરવું પડ્યું પણ તેઓ એ આ કઈ ધ્યાનમાં લીધું નહી તેમની વાંચનપ્રીતિ પણ અદ્ભુત હતી તેઓ ઘરની ભૂખ સહન કરીને પણ પુસ્તકાલય માંથી પુસ્તકો વાંચતા બાબાસાહેબે આપણા દેશનું બંધારણ ઘડી કાયદા બનાવ્યા. તેઓ પ્રથમ કાયદામંત્રી પણ હતાં. 6 ડિસેમ્બર, 1956 ના રોજ તેઓનું દિલ્હી ખાતે અવસાન થયું.

આ હતી ડૉક્ટર બાબાસાહેબ ની જીવન ગાથા

Prakash College

Name : काजल पारसनाथ गुप्ता

Class / Div : १२ वी ब Roll No.: ६२

Article Title : "माँ बेटी का प्यार"

" माँ बेटी का प्यार "

" गोदी "

जब कभी आँख लगती
थी, मेरी, मै, सो
जाती थी
" क्या "पता, क्या हो जाता
था मुझे, दिल-ही-दिल में,
घबरा जाती थी
" आँसु ,"बहते थे आँखो से
तेरे पल्लू से, पोंछ देती थी उसे
" गोदी,"मे सो जाती थी मैं, लोरी को
सुनती थी मैं
" तु मुझे, कहानियाँ सुनाती," और मैं ख्यालो
मे खो जाती
" उस पल "मे है इतना प्यार भरा, कोई भी,
इसे चुरा न सका
" मीठे ; सपने बुनती थी मैं उन लोरियो को,
ध्यान से सुनती थी मैं
तेरी गोदी, याद आती
है,
उसकी नर्मी
मुझे याद आती है।

Prakash College

Name : CHOUDHARY PRERNA SANTOSH

Class / Div : XII / A Roll No.: 18

Article Title : माँ बेटी का प्यार

गोदी
जब कभी,
आँख लगती थी मेरी,
मै, सो जाती थी।

क्या पता,
क्या हो जाता था मुझे,
दिल-ही-दिल मे,
घबरा जाती थी।

आंसू
बहते थे आँखों से,
तेरे पल्लू से,
पोछ देती थी उसे।

गोदी,
मे सो जाती थी मै,
लोरी,
को सुनती थी मै।

तू मुझे,
कहानियां सुनाती,
और मै खयालो मे खो जाती।

उस पल मे,
है इतना प्यार भरा,
कोई भी,
इसे चुरा न सका।

मीठे,
सपने बुनती थी मै,
उन लोरियों को,
ध्यान से सुनती थी मै।

तेरी गोदी,
मुझे याद आती है,
उसकी नर्मी,
मुझे याद आती है।

मुझे तेरी हर बात,
आज है समझ आई,
क्या पता क्यो मैने,
है तुझसे की लड़ाई।

उसे है ईश्वर ने बनाया कुछ
इस तरह,
कि अपने दिल मे किसी को भी
दे दे वह जगह,
बस थोड़ा सम्मान और आदर
है मांगती,
मेरी माँ है सब कुछ जानती।

Prakash College

Name : CHOUDHARY PRERNA SANTOSH

Class / Div : XII / A Roll No.: 18

Article Title : A POWERFUL WOMAN.

She rises from her Adversity. But never forgets her origin. She learns from her past. And chooses to keep Going forward. Even when her steps get heavy. She transforms her pain and suffering into strength and wisdom.

Yes, she may stumble
Yes, sometimes she falls.
But just as the sun always rises
So, too, does a powerful women

She is Equipped with an intuition that guides her course like a compass. She strives to love herself. And all that she stands for with a fierce.

Loyalty, even when it's difficult.

She's not afraid to seek the truth, even when it hurts.

She is passionate and uses her gifts to inspire and spend light and love with a mind of wonder and a heart of goodness and grit, she is resilient.

She refuses to be navigated by fear and doubt.

She knows where she's been, where she is, and where she's headed.

She uplifts other women and embodies authenticity and humility.

She loves deeply lives with Compassion and is relentlessly unapologetic.

She is fierce, determined, and unstoppable.

Name : Pradnya Bagade

Class / Div : 12th - A Roll No.: 03

Prakash College

Article Title : Life and Works of Swami Vivekananda

Swami vivekananda is Also Known As Narendra He Was a Great thinker, A Great and the passionate patriot. National youth Day is observed on 12 January to commemorate the Birth Anniversary of Swami vivekananda Swami Vivekananda is a name that Does not Reqcire any sort of introduction He is an influential personality Who is Credited With ~~Engti~~ Enlightening the Western World About Hinduism He Represented Hinduism in the parliament of Religions in 1893 in Chicago. Swami Vivekananda Embodied the mission of Indian in the World When His Guru Swami Ramakrishna Died. the He Said, Will Come like A Bombshell in And make the world follow me like a Dog" He Appeared at Madras After Seven years. Known As Narendranath He Was Born on January 12, 1863. His mother Was a pious lady steeped in the Great Hindu epics. His father Was a lawyer and a friend of the poor. Even in BoyHood Narendranath possessed Great physical.

Prakash College

Name : CHOUDHARY PRERNA SANTOSH

Class / Div : XII / A Roll No.: 18

Article Title : TO LOSE A LOVED ONE

Losing someone you love is the hardest thing in the world to deal with. It's the pain you feel all over your body. It's the pain that no one else can understand. Losing a loved one is like having the rug swept from under you. We make plans for the day and do not think twice about how those plans can be taken away in the blink of an eye.

Research shows that most people can recover from the loss on their own over time if they have social support and healthy habits, it may take months or years to come to terms with the loss. We human beings are naturally resilient, considering most of us can endure loss and then continue with our own lives. But some people may struggle with grief for a longer period and ensure unable to carry out daily activities.

Losing someone can be in the form of someone's death or getting separated from someone to whom you were close. It is very difficult to cope with the fact that although you are in the same place as your close ones you act like strangers. Strangers who have never met before. You lose that person because of some misunderstanding and our attitude and ego don't let us talk to each other or clear our throughts and opinions.

"Unable are the loved to die, for loved is Immortality."